3 काबुलीवाला

- परिचयात्मक प्रश्न - क्या आप गलियों में सामान बेचने वालों की आवाजें सुनते हैं?
  - वे क्या-क्या बेचते हैं?
  - क्या आपके परिवार में भी कोई उनसे कुछ खरीदता है?
- प्रतिविंब - बालकों को प्रश्नों के माध्यम से कहानी के भावपक्ष की ओर ले जाते हुए मानवीय संवेदनाओं को जाग्रत करना।
- परिकल्पना - क्या आपने इसी प्रकार के एक विक्रेता काबुलीवाले की कहानी पढ़ी या सुनी है?

मेरी पाँच बरस की लड़की मिनी से घड़ीभर भी बोले बिना नहीं रहा जाता। एक दिन सवेरे-सवेरे ही बोली- बाबूजी, रामदयाल दरबान है न, वह काक को कौआ कहता है। वह कुछ जानता नहीं न बाबूजी?

मेरे कुछ कहने से पहले ही उसने दूसरी बात छेड़ दी- देखो बाबूजी, भोला कहता है- आकाश में हाथी सूँड़ से पानी फेंकता है, इसी से वर्षा होती है। अच्छा बाबूजी, भोला झूठ बोलता है, है न? और वह फिर खेल में लग गई।

मेरा घर सड़क के किनारे है। एक दिन मिनी मेरे कमरे में खेल रही थी। अचानक वह खेल छोड़कर खिड़की के पास दौड़ी गई और बड़े जोर से चिल्लाने लगी- "काबुलीवाले! ओ काबुलीवाले!"

कंधे पर मेवों की झोली लटकाए, हाथ में अंगूर की पिटारी लिए एक लंबा-सा काबुलीवाला धीमी चाल से सड़क पर जा रहा था। जैसे ही वह मकान की ओर आने लगा, मिनी जान लगाकर भीतर भाग गई। उसे डर लगा कि कहीं वह उसे पकड़ न ले। उसके मन में यह बात बैठ गई कि काबुलीवाले की झोली के अंदर तलाश करने पर उस जैसे और भी दो-चार बच्चे मिल सकते हैं।

काबुलीवाले ने मुस्कराते हुए मुझे सलाम किया। मैंने उससे कुछ सौदा खरीदा। फिर वह बोला-बाबू साहब, आपकी लड़की कहाँ गई?"

मैंने मिनी का डर दूर करने के लिए उसे बुलवा लिया। काबुलीवाले ने झोली से किशमिश और बादाम निकालकर मिनी को देना चाहा पर उसने कुछ न लिया। डरकर वह मेरे घुटनों से चिपट गई। काबुली वाले से उसका पहला परिचय इस तरह हुआ।

कुछ दिन बाद किसी जरुरी काम से मैं बाहर जा रहा था। देखा कि मिनी काबुलीवाले से खूब बातें कर रही है और काबुलीवाला मुस्कराता हुआ सुन रहा है। मिनी की झोली किशमिश-बादाम से भरी हुई थी। मैंने काबुलीवाले को अठन्नी देते हुए कहा- "इसे यह सब क्यों दे दिया? अब मत देना।" फिर मैं बाहर चला गया।

कुछ देर तक काबुलीवाला मिनी से बातें करता रहा। जाते समय वह अठन्नी मिनी की झोली में डालता गया। जब मैं घर लौटा तो देखा कि मिनी की माँ काबुलीवाले से अठन्नी लेने के कारण उस पर खूब गुस्सा हो रही हैं।

काबुलीवाला प्रतिदिन आता रहा। उसने किशमिश-बादाम दे-देकर मिनी के छोटे-से हृदय पर काफी अधिकार जमा लिया। दोनों में वही-वही बातें होतीं और वे खूब हँसते। रहमत काबुली को देखते ही मेरी बेटी हँसती हुई पूछती- "काबुलीवाले! ओ काबुलीवाले! तुम्हारी झोली में क्या है?"

रहमत हँसता हुआ कहता-हाथी! फिर वह मिनी से कहता- "तुम ससुराल कब जाओगी?"

इस पर वह उल्टे रहमत से पूछती- "तुम ससुराल कब जाओगे?"

रहमत अपना मोटा घूँसा तानकर कहता- "हम ससुर को मारेगा" इस पर मिनी खूब हँसती।

हर साल सर्दियों के अंत में काबुली अपने देश चला जाता। जाने से पहले वह सब लोगों से पैसा वसूल करने में लगा रहता। उसे घर-घर घूमना पड़ता, मगर फिर भी प्रतिदिन वह मिनी से एक बार मिल जाता।

एक दिन सवेरे मैं अपने कमरे में बैठा हुआ कुछ कर रहा था। ठीक उसी समय सड़क पर बड़े जोर का शोर सुनाई दिया। देखा तो पाया कि अपने उस रहमत को दो सिपाही बाँधे लिए जा रहे हैं। रहमत के कुरते पर खून के दाग थे और सिपाही के हाथ में खून से सना हुआ छुरा।

कुछ सिपाही से और कुछ रहमत के मुँह से सुना कि हमारे पड़ोस में रहने वाले एक आदमी ने रहमत से एक चादर खरीदी थी। उसके कुछ रुपए उस पर बाकी थे, जिन्हें देने से उसने इनकार कर दिया। बस, इसी पर दोनों में बात बढ़ गई, और काबुली ने उसे छुरा मार दिया।

इतने में "काबुलीवाले! ओ काबुलीवाले!" कहती हुई मिनी घर से निकल आई। रहमत का चेहरा क्षणभर के लिए खिल उठा। मिनी ने आते ही पूछा- "तुम ससुराल कब जाओगे" रहमत ने हँसकर कहा- "हाँ, वहीं तो जा रहा हूँ।"

रहमत को लगा कि मिनी उसके उत्तर से प्रसन्न नहीं हुई। तब उसने कहा- ससुर को मारता, पर क्या करुँ, हाथ बँधे हुए हैं।

छुरा चलाने के अपराध में रहमत को कई साल की सजा हो गई।

काबुली का ख्याल धीरे-धीरे मेरे मन से बिलकुल उतर गया और मिनी भी उसे भूल गई।

कई साल बीत गए।

आज मेरी मिनी का विवाह है। लोग आ-जा रहे हैं। मैं अपने कमरे में बैठा हुआ खर्च का हिसाब लिख रहा था। इतने में रहमत सलाम करके एक और खड़ा हो गया।

पहले तो मैं उसे पहचान ही न सका। उसके पास न तो झोली थी और न चेहरे पर पहले जैसी खुशी। अंत में उसकी ओर ध्यान से देखकर पहचाना कि यह रहमत है।

मैंने पूछा- क्यों रहमत, कब आए?

कल ही शाम को जेल से छूटा हूँ। उसने बताया।

मैंने उससे कहा- आज हमारे घर में जरुरी काम है, मैं उसमें लगा हुआ हूँ। आज तुम जाओ, फिर आना।

वह उदास होकर जाने लगा। दरवाजे के पास रुककर बोला-"जरा बच्ची को नहीं देख सकता।"

शायद उसे यही विश्वास था कि मिनी अब भी बच्ची ही है, वह अब भी पहले की तरह "काबुलीवाले! ओ काबुलीवाले! चिल्लाती हुई दौड़ी आएगी। उन दोनों की उस पुरानी हँसी और बातचीत में किसी तरह की रुकावट नहीं होगी। मैंने कहा- आज घर में बहुत काम है। आज उससे मिलना न हो सकेगा।

वह कुछ उदास हो गया और सलाम करके दरवाजे से बाहर निकल गया।

मैं सोच ही रहा था कि उसे वापस बुलाऊँ। इतने में वह स्वयं लौट आया और बोला- यह थोड़ा-सा मेवा बच्ची के लिए लाया था। उसको दे दीजिएगा।

मैंनें उसे पैसे देने चाहे, पर उसने कहा- आपकी बहुत मेहरबानी है बाबू साहब, पैसे रहने दीजिए। फिर जरा ठहरकर बोला- "आपकी जैसी मेरी भी एक बेटी है। मैं उसकी याद करके आपकी बच्ची के लिए थोड़ा-सा मेवा ले आया करता हूँ। मैं यहाँ सौदा बेचने नहीं आता।"

उसने अपने कुर्ते की जेब में हाथ डालकर कागज का एक टुकड़ा निकाला। देखा कि कागज पर छोटे -से हाथ के नन्हें पंजे की छाप है। हाथ में थोड़ी-सी कालिख लगाकर कागज पर उसकी छाप ले ली गई है। अपनी बेटी की याद को छाती से लगाकर रहमत हर समय कलकत्ता (कोलकाता) के गली-कूचों में सौदा बेचने आता हैं।

देखकर मेरी आँखें भर आईं। सब कुछ भूलकर मैंने उसी समय मिनी को बाहर बुलवाया। विवाह की पूरी पोशाक और गहने पहने मिनी शरम से सिकुड़ी मेरे पास खड़ी हो गई।

उसे देखकर रहमत काबुली पहले तो सकपका गया। उससे पहले जैसी बातचीत करते न बना। बाद में हँसते हुए बोला लल्ली, सास के घर जा रही है क्या? मिनी अब सास का अर्थ समझती थी। मारे शरम के उसका मुँह लाल हो उठा।

मिनी के चले जाने पर एक गहरी साँस भर कर रहमत वहीं जमीन पर बैठ गया। उसकी समझ में यह बात एकाएक स्पष्ट हो उठी कि उसकी बेटी भी इतने दिनों में बड़ी हो गई होगी। इन आठ वर्षों में उसका क्या हुआ, कौन जाने? वह उसकी याद में खो गया।

"मैंने कुछ रुपए निकालकर उसके हाथ में रख दिए और कहा- रहमत, तुम अपनी बेटी के पास देश चले जाओ।"

—रवींद्रनाथ टैगोर

शब्दार्थ

घड़ीभर = थोड़ी देर। सौदा = सामान। परिचय = जान-पहचान। इनकार = मना। कालिख = काली स्याही। सकपकाना = हिचकिचाना। स्पष्ट = साफ।

अभ्यास-कार्य

पाठ से

■ **बहुविकल्पीय प्रश्न**

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए :

1. जब मिनी के पुकारने पर काबुली आ गया तो-
   (अ) मिनी ने उससे सामान लिया ☐ (ब) मिनी डर गई ☐
   (स) मिनी डरकर भीतर भाग गई ✓
2. मिनी का विचार था कि काबुली झोली के भीतर रखता है-
   (अ) मेवे ☐ (ब) उस जैसे बच्चे ✓ (स) कपड़े ☐
3. हर साल सर्दियों के अंत में काबुली चला जाता था-
   (अ) दिल्ली ☐ (ब) पंजाब ☐ (स) अपने देश ✓
4. काबुली ने मिनी से परिचय बढ़ाया; क्योंकि-
   (अ) मिनी काबुली की ही बेटी थी। ☐

(ब) मिनी के रूप में वह अपनी बेटी देखकर प्रसन्न होता था।
(स) इससे उसके मेवे सरलता से बिक जाया करते थे।

5. काबुली मिनी को विवाह की पोशाक पहने देखकर सकपका गया; क्योंकि-
(अ) मिनी का विवाह समय से पहले हो रहा था।
(ब) मिनी के विवाह होने से वह खुश नहीं था।
(स) कई वर्ष जेल में रहकर उसे अंदाजा नहीं था कि मिनी अब बड़ी हो गई होगी।

(ख) उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:

1. भोला कहता है, आकाश में हाथी सूँड़ से पानी फेंकता है, इसी से वर्षा होती है। (खेत/आकाश)
2. अच्छा बाबूजी, भोला झूठ बोलता है, न (झूठ/सच)
3. काबुली प्रतिदिन मिनी से एक बार मिल जाता। (तीसरे दिन/प्रतिदिन)
4. काबुली का नाम रहमत था। (असलम/रहमत)
5. कुछ देर तक काबुली मिनी से बातें करता रहा। (भोला/मिनी)

(ग) रेखा खींचकर परस्पर संबद्ध वाक्यांशों का सुमेल कीजिए:

1. रामदयाल दरबान
2. काबुली
3. मैं यहाँ
4. आज हमारे घर में
5. उसके पास न तो झोली थी

(अ) जरुरी काम है।
(ब) और न चेहरे पर पहले जैसी खुशी।
(स) काक को कौआ कहता है।
(द) प्रतिदिन आता रहा।
(य) सौदा बेचने नहीं आया।

(घ) सही कथन के सामने ✓ तथा गलत के सामने × लगाइए:

1. अपने देश जाने से पहले काबुली सब लोगों से पैसा वसूल करने में लगा रहता। ✓
2. पैसा वसूल करने में रहमत को घर-घर घूमना पड़ता। ✓
3. बंदूक चलाने के अपराध में रहमत को सजा हो गई थी। ×
4. सलाम करके रहमत गली से बाहर निकल गया। ×

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए:

मेहरबानी | चिल्लाती | किशमिश-बादाम | स्पष्ट | बातचीत

■ इनके उत्तर लिखिए:

1. काबुलीवाला कौन था?
काबुलीवाला सूखे मेवे का एक व्यापारी था।
2. मिनी से घड़ीभर भी बोले बिना नहीं रहा जाता था, इससे संबंधित उसकी आदत का कोई दृष्टांत दीजिए।
काबुलीवाला दिन भर सौदा बेचने के बाद मिनी से मिलने किसी भी समय एक बार जरूर आता था।

3. काबुलीवाले को बुलाने के बाद मिनी भीतर क्यों भाग गई थी?
काबुलीवाले को बुलाने के बाद मिनी उसके रूप को देखकर उससे डरकर भाग गई थी।

4. मिनी के साथ काबुलीवाले की जान-पहचान किस प्रकार हुई?
काबुलीवाले के साथ मिनी की पहचान प्रतिदिन किशमिश और बादाम देने के कारण हुई थी।

5. रहमत को सजा किस कारणवश हुई थी?
रहमत को किसी आदमी से सौदा खरीदने के दौरान चाकू मारने के कारण सजा हुई थी।

भाषा की बात

(क) पाठ से चुनकर तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ लिखिए:

1. रहमत 2. रामदयाल 3. मिनी

(ख) विशेषण और विशेष्य चुनकर लिखिए :

	विशेषण	विशेष्य
1. कुछ रुपये	कुछ	रुपये
2. थोड़ा मेवा	थोड़ा	मेवा
3. बहुत काम	बहुत	काम
4. छोटी बिटिया	छोटी	बिटिया
5. बड़े लोग	बड़े	लोग

(ग) 'कर्त्ता' पद चुनकर लिखिए:

1. भोला झूठ बोलता है। भोला
2. मिनी कमरे में खेल रही थी। मिनी
3. वह कुछ नहीं जानता। वह

(घ) 'कर्म' पद चुनकर लिखिए :

1. उसने पत्र लिखा। लिखना
2. मैंने पुस्तक पढ़ी। पढ़ना
3. राम ने रावण को मारा। मारना
4. मीरा ने चाय बनाई। बनाना

कुछ करने की बात

(क) विदेश में रहने पर रहमत की मनोदशा क्या रही होगी? सोचकर बताइए।

(ख) कई वर्ष बीतने पर रहमत ने जब मिनी को दुल्हन के वेश में देखा तो उसे क्या बात स्पष्ट हो गई थी? कक्षा को बताइए।